इकाई 13 गुणक प्रभाव : लाभ और परिणाम

इकाई की रूपरेखा

13.0 उद्देश्य

13.1 प्रस्तावना

13.2 गुणक प्रभाव

- 13.2.1 विक्रय और उत्पादन गुणक
- 13.2.2 आय गुणक
- 13.2.3 रोजगार गुणक

13.3 सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक लाभ

- 13.3.1 आर्थिक लाभ
- 13.3.2 सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण
- 13.3.3 सांस्कृतिक गौरव की पुनर्स्थापना

13.4 नकारात्मक प्रभाव

- 13.4.1 संभावित आर्थिक लाभों का ह्रास
- 13.4.2 आर्थिक और रोजगार संबंधी विकृतियां
- 13.4.3 निवासियों के लिए सुख साधनों की मूल्यवृद्धि और लोप
- 13.4.4 उत्पादकता सूचकांक में अस्थिरता
- 13.4.5 सांस्कृतिक प्रभाव

13.5 पर्यावरण पर प्रभाव

- 13.5.1 जल प्रदूषण
- 13.5.2 वायु प्रदूषण
- 13.5.3 ध्वनि प्रदूषण
- 13.5.4 दृश्य प्रदूषण
- 13.5.5 अपशिष्ट निपटारन की समस्या

13.6 निजी अर्थव्यवस्था पर प्रदर्शन प्रभाव

13.7 लागत मुनाफा विश्लेषण

13.8 सारांश

13.9 बोध प्रश्नों के उत्तर

13.0 उद्देश्य

इस खंड की पिछली इकाई का अध्ययन करने के पश्चात आप निश्चत रूप से योजनाबद्ध पर्यटन के विषय में जान गए होंगे। यह इकाई पर्यटन पर गुणक प्रभाव की धारणा के उपयोग और समाज पर उसके प्रभाव के अध्ययन का प्रयास है। इस इकाई को पढ़ने के बाद आप :

- गुणक प्रभाव की धारणा से परिचित हो सकेंगे,
- किसी क्षेत्र में पर्यटन के सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का मूल्यांकन कर सकेंगे,
- अनियोजित पर्यटन के सामाजिक खतरों को स्पष्ट करने योग्य हो जाएंगे, और
- पर्यटन और पर्यावरण के मध्य संयोजन स्थापित कर लेंगे।

13.1 प्रस्तावना

पर्यटन के नकारात्मक प्रभावों के प्रति चिन्ता उचित है। इस क्षेत्र को योजनाबद्ध और नियंत्रित ढंग से विकसित करना चाहिए। किसी भी गंभीर समस्या से बचाव करते समय लाभों का अनुकूलन अनिवार्य है। नए विकसित होते हुए पर्यटन क्षेत्रों के अतिरिक्त वह क्षेत्र जहां पहले से ही काफी हद तक पर्यटन का विकास हो चुका है वहां भी नकारात्मक प्रभावों के प्रकाश में पर्यटन विकास का पुन: मूल्यांकन किया जा रहा है। बहुत से स्थानों पर पर्यावरणीय उद्देश्यों को आधुनिक स्तर पर सुधार कर विकसित करने के लिए सशक्त आंदोलन चलाया जा रहा है। पर्यटन और अन्य क्षेत्रों को संघटित करके विकसित करने के महत्व को मान्यता दी जा रही है क्योंकि वह

उन संसाधनों के निरंतर उपयोग को बनाए रखता है और नष्ट होने से सुरक्षित रखता है। यह इकाई पर्यटन के लाभों को ध्यान में रखते हुए गुणक प्रभाव पर एक परिचर्चा से प्रारंभ होती है। इसके साथ ही यह पर्यावरण के संबंध में पर्यटन के नकारात्मक प्रभावों पर भी प्रकाश डालती है।

13.2 गुणक प्रभाव

गुणक शब्द प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों ही प्रकार के बाह्य साधनों से प्राप्त आय की अर्थव्यवस्था पर सम्पूर्ण प्रभाव को व्यक्त करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। पर्यटन के संदर्भ में गुणक प्रभाव यह विधि है जिसमें पर्यटक द्वारा किया गया कुल व्यय अर्थव्यवस्था से बाहर अन्य क्षेत्रों को भी प्रेरित करता है। पर्यटन में सामान्य रूप से गुणक प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पर्यटक व्यय के प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रभावों को सम्मिलित करता है हालांकि इसे रोजगार या अन्य परिवर्ती मामलों में भी प्रयुक्त किया जा सकता है। पर्यटन व्यय पर आधारित गुणक प्रभाव स्थानीय अर्थव्यवस्था के प्रारंभिक खर्च को ध्यान में रखते हुए यह संकेत देता है कि यह व्यय कितनी बार किया है। या वह उन विधियों को स्पष्ट करता है जिनके माध्यम से पर्यटन व्यय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इस प्रकार वह स्थानीय आय, रोजगार और अन्य आर्थिक क्षेत्रों पर प्रभाव के प्रसार का सजीव चित्रण प्रस्तुत करता है।

गुणक प्रभाव शब्द वास्तव में सामान्य अर्थशास्त्रीय तकनीक का विशिष्ट उपयोग है। इस तकनीक को 1930 में एक प्रसिद्ध ब्रिटिश अर्थशास्त्री कींस ने सबसे पहले विकसित किया। इसे तीन वर्गों में उपविभाजित किया जाता है।

13.2.1 विक्रय और उत्पादक गुणक

यह अनुपात के तौर पर प्रारंभिक व्यय से प्रेरित उत्पादन के कुल विक्रय को आंकता है। इस प्रकार कोई पर्यटन भोजन पर 100 रुपया खर्च करता है वह दूसरी बार किसी बैरे द्वारा पगार से 50 रुपया पोशाक पर खर्च किया जाता है और तीसरी बार में 25 रुपया पोशाक की दुकान के मालिक साप्ताहिक साग सब्जी खरीदने पर खर्च करते हैं। इस प्रकार आरंभ में खर्च किए गए रुपया 100 से 175 रुपए का गुणक प्रभाव पैदा होता है। अर्थात 1.75 का गुणक बनता है। गुणक जितना ही अधिक होगा स्थानीय लोगों को लाभ उतना ही होगा।

13.2.2 आय गुणक

पर्यटकों द्वारा किए गए व्यय और आय में होने वाले बाद के परिवर्तनों के मध्य संबंधों को निम्नलिखित रूप में मापा जा सकता है। यह थोड़ी जटिल प्रक्रिया जरूर है लेकिन इसे निम्न फारमुले से समझा जा सकता है।

$$K = A \times \frac{I}{I - BC}$$

यहां A = पर्यटक के व्यय का प्रतिशत, वह भाग जो बाहर निकल जाने के बाद क्षेत्र में बचा रहता है,

B = स्थानीय वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च की गई निवासियों की, आय का प्रतिशत,

C = निवासी द्वारा किए गए व्यय का प्रतिशत जो स्थानीय आय (बाहर निकल जाने के बाद शेष) के रूप में निर्धारित होता है।

इस प्रकार यदि पर्यटकों के व्यय का 50% प्रथम बार बाहर निकल जाने के बाद बचता है और आय का 60% स्थानीय रूप से खर्च किया जाता है, और 40% स्थानीय आय है तो आय गुणाक होगा:

$$0.5 \times \frac{1}{1 - 0.5 \times 0.4}$$

13.2.3 रोजगार गुणक

यह अतिरिक्त पर्यटन व्यय द्वारा उत्पन्न प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार तथा केवल प्रत्यक्ष रोजगार का अनुपात है। अत: यदि पर्यटन उद्योग में 100 नई नौकरियां 20 अतिरिक्त नौकरियों के अवसर प्रदान करती है तो गुणक होगा:

$$\frac{120}{100} = 1.2$$

डोनाल्ड ई. लैंडबर्ग ने अपनी पुस्तक "द टूरिस्ट बिजनेस (1985) में गुणक प्रभाव की गणना करने के लिए एक व्यापक सूत्र दिया है जो निम्नवत है: "

$$Tim = \frac{1 - TPI}{MPS + MPI}$$

TIM = टूरिज्म इनकम मल्टिप्लायर (पर्यटन आय गुणक) या वह कारक जिससे इन खर्चों के द्वारा उत्पन्न पर्यटक आय के निर्धारण हेतु पर्यटक व्यय में गुणा करना पड़ेगा।

1 = पर्यटक व्यय

TPI = टूरिस्ट प्रोपेन्सिटी टू इम्पोर्ट (पर्यटक का आयात की ओर झुकाव) या आयातित वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने की प्रवृत्ति जिसके कारण क्षेत्र में आय के अवसर उत्पन्न नहीं होते।

MPS = मारजीनल प्रोपेन्सिटी टू सेव (बचत की न्यूनतम प्रवृत्ति) या निवासियों का पर्यटक आय में से कुछ खर्च न करने कर निर्णय।

MPI = मारजीनल प्रोपेन्सिटी टू इम्पोर्ट (आयात करने की ओर न्युनतम झुकाव) या निवासियों का आयातित वस्तुओं को खरीदने का निर्णय या विदेश में रुपया खर्च करने का निर्णय।

पर्यटन में गुणक का परिमाण अधिकांश इस पर निर्भर होता है आपूर्ति के क्षेत्र कितने अधिक विकसित हैं और वह पर्यटन में कितनी घनिष्टता के साथ जुड़े हुए हैं। जब पर्यटन की प्राथमिकता गतिविधियों में स्थानीय अर्थव्यवस्था से सामान और सेवाएं क्रय करना सम्मिलित होता है तब अधिकतर आयातित सामानों और सेवाओं के उपयोग की परिस्थितियों की अपेक्षा गुणक प्रभाव अधिक होता है। निर्माण उद्योग की अपेक्षा विशेष रूप से पर्यटन में गुणक प्रभाव ऊंचा होता है क्योंकि पर्यटन अधिक श्रम आधारित होता है जो स्थानीय होते हैं और स्थानीय तौर पर ही खर्च करते हैं। और पर्यटन में उत्पादित सामान और सेवाओं का स्थानीय रूप से पर्यटकों द्वारा ही उपयोग कर लिया जाता है। उसे निर्माण उद्योग की तरह निर्यात नहीं किया जाता। चूंकि पर्यटन बहुत से छोटे छोटे व्यापारों को आकर्षित करता है अत: पर्यटक व्यय तीव्रता के साथ और विस्तृत रूप से समाज में पहुंचता है। गुणक प्रभाव किसी छोटे द्वीप की अर्थव्यवस्था के लिए एक से भी कम और बड़ी और बहुत संघठित अर्थव्यवस्था के लिए दो से भी अधिक हो सकता है। गुणक की बहुत सावधानीपूर्वक गणना करनी चाहिए अन्यथा यह भ्रामक परिणाम दे सकता है।

बोध प्रश्न 1

1) गुणक प्रभाव क्या है?

.....

.....

.....

.....

2) पर्यटन और रोजगार के मध्य संबंध स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

.....

.....

13.3 सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक लाभ

पर्यटन सामाजिक आर्थिक परिवर्तन ला सकता है और निश्चित रूप से लाता है और प्राय: इसे जानबूझकर आर्थिक लाभ और उनके द्वारा सामाजिक सुधार उत्पन्न करने के लिए विकसित किया जाता है। अत: इसके विशिष्ट प्रकार के प्रभावों को समझना महत्वपूर्ण है चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक जिन्हें पर्यटन समाज में पैदा करता है। सामाजिक -सांस्कृतिक एवं आर्थिक प्रभावों का उनके घनिष्ट संबंध के कारण एक साथ

मूल्यांकन किया जा रहा है।

हाल ही के कुछ वर्षों में पर्यटन के सामाजिक-आर्थिक प्रभावों ने इस क्षेत्र को विवादास्पद बना दिया है विशेषकर पर्यटन का विकास जिन क्षेत्रों में बहुत तेजी से और अनियोजित और अनियंत्रित ढंग से हुआ है। इसका सामाजिक-सांस्कृतिक और पर्यावरणीय प्रभाव प्रतिकूल रूप में सामने आया है। आइए, प्रारंभ करते समय पर्यटन द्वारा समाज में लाए जा रहे कुछ सकारात्मक प्रभावों पर विचार करें।

13.3.1 आर्थिक लाभ

प्रत्यक्ष आर्थिक लाभों में रोजगार, आय और (अन्तरराष्ट्रीय पर्यटन के लिए) विदेशी मुद्रा की व्यवस्था सम्मिलित है जो स्थानीय समुदाय को बेहतर जीवन स्तर की ओर ले जाता है और सम्पूर्ण राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय आर्थिक विकास की ओर मार्ग दर्शन करता है। पिछड़े हुए क्षेत्रों में पर्यटन द्वारा दिए गए रोजगार विशेष रूप से नवयुवकों को प्रदत्त रोजगार इन क्षेत्रों से होने वाले प्रवसन को रोकरने में मदद कर सकता है। पर्यटन पर लगाए गए विभिन्न प्रकार के करों से प्राप्त बढ़े हुए राजस्व का समुदाय को विकसित करने और सामान्य आर्थिक विकास में सहायता देने के लिए ढांचागत सुविधाओं और सेवाओं को उपलब्ध कराने में उपयोग भी प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ है। ये प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आर्थिक लाभ पर्यटन के गुणक प्रभाव का प्राय: प्राथमिक सकारात्मक प्रभाव है।

पर्यटन का अप्रत्यक्ष आर्थिक लाभ यह होता है कि अन्य आर्थिक क्षेत्रों जैसे कृषि, मत्स्यन, निर्माण और कुछ प्रकार के विनिर्माण तथा हस्तशिल्प के सामानों और सेवाओं की पर्यटन के लिए की गई आपूर्ति आर्थिक क्षेत्र के विकास एवं विस्तार के लिए वह उत्प्रेरक का कार्य करती है। एक और अन्य अप्रत्यक्ष सामाजिक-आर्थिक लाभ परिवहन और ढांचागत सुविधा और पर्यटन की सेवाओं में होने वाला सुधार है जो सामान्य राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और सामुदायिक आवश्यकताओं को भी पूरा करता है। हालांकि यह स्थानीय आर्थिक और सांस्कृतिक विकास नीति पर बहुत अधिक आश्रित है फिर भी मेजबान देश या क्षेत्र को चाहिए कि वह पर्यटन को तकनीकी एवं प्रबंधकीय कौशल के व्यापार में अपनी जनसंख्या के एक बड़े भाग के लिए लाभकर समझें जिसमें से कुछ को ऐसे अन्य क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जा सकता है जो लोगों को नियमित नौकरी करने और मनचाहे काम करने की आदत डालने को प्रोत्साहित करते हैं। वृहत पारम्परिक समाज में पर्यटन प्रशिक्षण और रोजगार द्वारा महिलाओं के लिए रोजगार का अवसर भी प्रदान करता है।

13.3.2 सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण

पर्यटन किसी क्षेत्र के सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण तत्वों के संरक्षण के लिए एक प्रमुख प्रेरणा हो सकता है क्योंकि पर्यटन उनके संरक्षण को आंशिक अथवा सम्पूर्ण रूप से पर्यटन आकर्षण के तौर पर न्याय संगत बना सकता है। दूसरे शब्दों में पर्यटन की सहायता से सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण कई प्रकार से आर्थिक प्रेरणा प्राप्त कर सकता है जो निम्नवत हैं:

1) पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक स्थलों और पर्यटकों के आकर्षण के तौर पर जिसे टूट फूट या लुप्त हो जाने के लिए छोड़ दिया गया हो और परिणामस्वरूप क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत के नष्ट हो जाने का भय हो उसके संरक्षण के लिए पर्यटन प्रेरणा का स्रोत है और धन उपलब्ध कराता है। दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में अधिकतर जो पुरातात्विक और ऐतिहासिक संरक्षण कार्य किया जा रहा है उसे ऐसे कम आय वाले देशों में भी आर्थिक दृष्टि से उचित ठहराया जा सकता है क्योंकि ये ऐतिहासिक स्थल पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र होते हैं। कुछ मामलों में जैसे श्रीलंका में पर्यटकों द्वारा अदा किया गया प्रवेश शुल्क प्रत्यक्ष रूप से पुरातात्विक अनुसंधान और संरक्षण पर व्यय किया जाता है।

2) पारम्परिक कला, दस्तकारी, नृत्य, संगीत, नाटक प्रथाओं और समारोहों और पारम्परिक जीवन शैली के कई पहलुओं का संरक्षण और पुनर्जीवन प्रत्यक्ष रूप से पर्यटन में योगदान होता है।

3) महत्वपूर्ण प्राकृतिक क्षेत्रों के संरक्षण को भी बल मिलता है। पर्यटन के बिना वह प्राकृतिक क्षेत्र या तो अन्य उपयोगों के लिए विकसित किया जा सकता है या पारिस्थितिकीय दृष्टि से बरबाद हो सकता है और परिणामस्वरूप पर्यावरणीय विरासत नष्ट हो सकती है। यह कारक विशेष कर सीमित साधनों वाले देशों के प्राकृतिक संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण लाभ दे सकता है। उदाहरणार्थ समुद्री संरक्षण पर विशेष रूप से कुछ जगहों पर प्रवाल भित्तियों के क्षेत्र में वहां के पर्यटन आकर्षण के कारण बहुत ध्यान दिया जा रहा है।

4) अजायबघरों, रंगशालाओं और विशेष सांस्कृतिक उत्सवों तथा कार्यक्रमों के पर्यटकों और निवासियों के लिए महत्वपूर्ण आकर्षण के कारण उनके आयोजन के लिए वित्तीय सहायता की व्यवस्था। विश्व के कुछ

प्रमुख संग्रहालयों में पर्यटकों द्वारा दिया गया प्रवेश शुल्क उन संस्थाओं के रखरखाव के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध कराता है इसी प्रकार महत्वपूर्ण शहरी रंगशालाओं में खरीदे गए टिकट उनके रख रखाव और अन्य सुविधाओं की प्राप्ति और संभालने में सहयोग देते हैं।

13.3.3 सांस्कृतिक गौरव की पुनर्स्थापना

क्षेत्र के निवासियों में अपनी संस्कृति के प्रति गौरव के अनुभव को सुदृढ़ किया जा सकता है या जब वह देखें कि वह पर्यटकों द्वारा पसन्द किया जा रहा है तो उसे नवीकृत किया जा सकता है। इस प्रकार एक सांस्कृतिक जागरूकता पैदा होती है। बहु-सांस्कृतिक देशों में क्षेत्रीय पर्यटन अल्पसंख्यक सांस्कृतिक वर्ग की सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने में सहयोग दे सकता है अन्यथा वह राष्ट्र की मुख्य संस्कृति में विलय हो सकती है। क्षेत्रीय या स्थानीय संस्कृति आधुनिक समाज में बहुत महत्व रखती है जहां आर्थिक दबाव ने स्थानीय संस्कृतियों के विकास को नापसंद किया है और रोका है।

बोध प्रश्न 2

1) पर्यटन के गुणक प्रभाव के प्रमुख सकारात्मक परिणामों में उल्लेख कीजिए।

.....

.....

.....

.....

2) इसके सकारात्मक आर्थिक लाभ की व्याख्या कीजिए।

.....

.....

.....

.....

13.4 नकारात्मक प्रभाव

यदि ठीक से नियोजित और नियंत्रित न किया जाए तो पर्यटन नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है या स्थानीय अर्थव्यवस्था पर गुणक प्रभाव की व्यवहार्यता को कम कर सकता है। आइए, इनमें से कुछ को संक्षिप्त रूप में देखें।

13.4.1 संभावित आर्थिक लाभों का ह्रास

पर्यटन पूंजी पर आधारित एक उद्योग है और उस स्तर पर किसी प्रकार की स्थानीय भागीदारी संभव नहीं है। अत: तात्कालिक पर्यटक सुविधाओं जैसे हवाई अड्डे, विभागीय सड़कें, सेतु, गंदे जल की निकासी और विद्युत के लिए आवश्यक अधिकांश संसाधन या तो सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं या निजी उद्यमों द्वारा। बाहर की दुनिया से अनजान स्थानीय निवासियों ने अचानक स्वयं को बड़े पैमाने पर विदेशी आगंतुकों के मध्य और ऐसे परिवर्तनों में घिरा हुआ पाया जिसमें उनका कोई हस्तक्षेप नहीं है।

यदि अधिकांश पर्यटन सुविधाओं का स्वामित्व और प्रबंधन बाहरी लोगों का हो तो स्थानीय क्षेत्रों को आर्थिक हानि पहुंच सकती है और स्थानीय लोगों में रोष पैदा हो सकता है। यदि अधिकांश पर्यटन सुविधाएं और सेवाएं केवल कुछ ही स्थानीय लोगों या परिवारों की मिल्कियत हों और परिणामस्वरूप अधिकतर समुदाय अल्पतम लाभ ही प्राप्त करें या फिर लाभ से बिलकुल ही वंचित रह जाएं तो स्थानीय विशिष्ट वर्ग भी पैदा हो सकता है। यदि स्थानीय पूंजी बहुत सीमित हो तो विकास के प्रारंभिक चरणों में बाहरी स्वामित्व के ज्यादा विकल्प नहीं होते। यदि पर्यटन में आयातित सामान और सेवाएं उपयोग की गई तो संभावित विदेशी मुद्रा की आय में कमी आ सकती है।

13.4.2 आर्थिक और रोजगार संबंधी विकृतियां

यदि क्षेत्र, देश अथवा देश के कुछ भागों में पर्यटन विकसित किया जाए और अन्य स्थानों को छोड़ दिया जाए तो भौगोलिक दृष्टि से आर्थिक विकृतियां पैदा हो सकती हैं। इस स्थिति के कारण अल्पविकसित क्षेत्रों के लोगों में रोष फैल सकता है। यहां तक कि पर्यटन उद्योग वाले क्षेत्रों में बेरोजगारों या कम आय वाले नौकरी पेशा लोगों में अपेक्षाकृत अधिक पैसा कमाने वालों के प्रति रोष हो सकता है। यदि पर्यटन अपने अधिक वेतन और शायद अधिक वांछनीय कार्य की शर्तों के कारण अन्य आर्थिक क्षेत्रों में कर्मचारियों को आकर्षित करता है तो रोजगार में विकृति पैदा हो सकती है। यदि पर्यटन में प्रवाही कर्मचारी कार्य के लिए नियुक्त किए जाएं और उनकी आवश्यकता समाप्त हो जाने पर भी वे वहीं ठहरे रहें तो निवासियों में रोष पैदा हो सकता है। यह संभावित आर्थिक लाभों को घाटे की ओर ले जा सकता है। यदि पर्यटन में स्थानीय वेतनमान की अपेक्षा अधिक वेतन पर प्रवासियों को प्रबंधकों और तकनीकी कर्मचारियों के पद पर नियुक्त किया गया तो संभावित आर्थिक लाभ के घाटे के अतिरिक्त स्थानीय कम कुशल कार्यकर्ताओं में भी रोष उत्पन्न होगा।

यह देखते हुए कि पर्यटन उद्योग मौसमी है यह अनिवार्य रूप से कम रोजगार या बेरोजगारी तथा सामाजिक अशांति के रूप में प्रकट होगा। होटल उद्योग में रोजगार का अपना अलग प्रतिरूप है। होटल उद्योग की स्वयं अपनी गणना के अनुसार होटल का प्रत्येक कमरा, जो लगभग 3.5 लाख रुपए औसत अनुमानित लागत से बनता है, तीन व्यक्तियों को प्रत्यक्ष और छः अतिरिक्त लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराता है। यदि हम दोनों वर्गों को साथ-साथ रखकर गणना करें तो प्रत्येक नौकरी पर 30,000 रुपए का खर्च आएगा जबकि छोटे पैमाने के औद्योगिक क्षेत्र में इसकी तुलना में अनुमानित 12,000 रुपए की ही लागत आती है। इसलिए वर्तमान पर्यटन विकास देश के संसाधनों को कमजोर आर्थिक क्षेत्रों से पर्यटन क्षेत्र की ओर स्थानांतरित करता है और लोगों को उनके पारम्परिक पेशों से विस्थापित भी करता है।

जैसा कि गोवा और उड़ीसा के प्रारूप से विदित है कि पर्यटन में हो रहे विकास के कारण रोजगार में वृद्धि के स्थान पर उसके अवसरों में बहुत कमी आई है। हाल ही में किए गए कुछ अनुसंधानों से यह पता चला है कि गोवा में लगभग मत्स्यन उद्योग ने मत्स्यन जीविका पर निर्भर 75% लोगों को नई जीविका की तलाश में शहर जाने पर मजबूर कर दिया है।

पर्यटन उद्योग जो सुख साधनों पर आधारित है सारी दुनिया में बाहरी लोगों द्वारा नियंत्रित है और इसमें स्थानीय लोगों की उपेक्षा हुई है। चूंकि सैरगाहों पर आधारित पर्यटन को खेलों, गोल्फ कोर्स, कार पार्किंग और बागों के लिए बड़े इलाकों की आवश्यकता होती है और ये इलाके बाहरी लोगों द्वारा ऊंचे दामों पर खरीद लिये जाते हैं। गोवा में जब स्थानीय लोग अपनी जमीने बेचने पर तैयार नहीं थे तो सरकार ने उसे पर्यटन के विकास के लिए प्राप्त कर लिया। यहां एक और समस्या यह है कि अक्सर बाहरी लोग स्थानीय पारिस्थितिकी, पर्यावरण और समुदाय की भावनाओं के प्रति संवेदनशील नहीं होते हैं।

13.4.3 निवासियों के लिए सुख साधनों की मूल्यवृद्धि और लोप

किसी भी क्षेत्र में पर्यटन की शुरुआत का एक और प्रत्यक्ष परिणाम महंगाई है। विदेशी पर्यटक बहुत खुशी से वस्तुओं का ज्यादा मूल्य चुकाते हैं क्योंकि ये चीजें उनके अपने देश की अपेक्षा सस्ती होती है। इस कारण से गोवा में अल्फान्सो आम, काजू और कई प्रकार की मछलियां आम गोवा वासियों के पहुंच से बाहर हो गई है। ऊंची कीमतें शहर भर में पाई जाती है और स्थिर हो जाती है। इसी प्रकार यदि सुख साधन के लक्षणों, दुकानों और समुदायों की भरमार हो और पर्यटकों की परिवहन तंत्र में भीड़ हो तो स्थानीय लोग उन्हें आसानी से उपयोग में नहीं ला पाते और पर्यटन के प्रति रोष पूर्ण हो सकते है। शिमला और नैनीताल इसी प्रकार के सैरगाहों के उदाहरण हैं। पर्यटकों के मौसम में कीमतें आसमान को छूने लगती हैं, पार्किंग के स्थान में भीड़ हो जाती है और जल की भी बहुत कमी हो जाती है।

यदि स्थानीय विशेषताएं जैसे समुद्र के रेतीले तट स्थानीय लोगों के लिए बन्द कर दिए जाएं और केवल पर्यटकों के उपयोग के लिए ही उन्हें सुरक्षित रखा जाए तो वह अपने सुख साधन गंवा देंगे और पर्यटन के विरुद्धी हो सकते हैं। यह स्थिति और बिगड़ सकती है अगर निवासियों और पर्यटकों के बीच भौतिक रूकावटें जैसे बाड़ लगा दी जाए। इसी तरह बिजली, सड़क और जल की आपूर्ति के समान ही अधिसंरचनात्मक सुविधाएं भी विदेशियों और स्थानीय विशिष्ट लोगों की आवश्यकताओं के अनुसार ही बनाई जाएं और सामान्य स्थानीय लोगों को उनसे कोई लाभ न मिले तो भी नतीजा वही निकलेगा। उदाहरणार्थ वायु सेवा पर्यटकों को खजुराहो प्रतिदिन लाती है जबकि ग्रामीणों को लकड़ी या जल लाने के लिए लम्बी दूरी पैदल तय करनी पड़ती है। पर्यटकों को

सुख साधन वाले होटलों में सारी सुविधाएं उपलब्ध हैं जबकि गांव के लोगों को जल की आपूर्ति और विद्युत भी उपलब्ध नहीं है।

गोवा में चूंकि होटलों के गहरे कुंओं से तरणताल और हरे भरे घास के सुंदर मैदानों के लिए पम्प द्वारा जल निरंतर निकाला जाता है अत: पानी की सतह इतनी नीची हो गई है कि वह गांव वालों की पहुंच से बाहर हो गया है। इसके साथ ही होटलों को जल की आपूर्ति और टंकियों में पानी सुनिश्चित कर दिया जाता है। होटलों के जल और विद्युत के भुगवान पर 50% की छूट दी जाती है। पानी के अभाव में सारे पर्यटक शहरों चाहे वह पंणजी हो या ऊटी के लिए पानी के वितरण पर नियंत्रण है किंतु इन होटलों के लिए कोई प्रतिबंध नहीं है। इसके अतिरिक्त बड़े होटल स्थानीय लोगों के छोटे-छोटे प्रतिष्ठानों को अपनी परियोजनाओं के निकट पनपने नहीं देते। कम से कम एक मामले में एक होटल ने अपने क्षेत्र में प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिए विद्युतीकरण नहीं होने दिया। इस तरह पर्यटन सुविधाएं और सुख साधन उपलब्ध कराने के बजाए कभी कभी ऐसी सुविधाओं के विकास का विरोध भी कर सकता है।

13.4.4 उत्पादकता सूचकांक में अस्थिरता

पर्यटन मौसमी है और जलवायु के परिवर्तन, अन्तर्राष्ट्रीय और स्वदेशी स्थितियों और विश्व की अर्थव्यवस्था पर निर्भर है। अत: उद्योग का उत्पादकता सूचकांक कुल मिलाकर विशेषतय: निवेशकों के लिए सामान्य रूप से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए असमय में कम हो जाता है।

पर्यटन के उत्पाद 'नाशवान' सेवाएं हैं जिन्हें भविष्य में विक्रय के लिए बचाया नहीं जा सकता है। यदि किसी कमरे के लिए कोई पर्यटक नहीं है तो वह उस दिन की हानि होती है। बहुत से सहायक उद्योगों की गतिविधियां, जो पर्यटन की आवश्यकताओं की आपूर्ति जैसे मछली की आपूर्ति करते हैं कम करा देनी पड़ेंगी। सूरत में महामारी या कुछ क्षेत्रों में आतंकवाद में वृद्धि के बाद के प्रभाव सम्पूर्ण भारत में पर्यटन उद्योग पर देखे जा सकते हैं। सहायक सेवाएं देने वालों या जिनकी आय पर्यटन से जुड़ी हुई है उनकी दुदर्शा का समझा जा सकता है। इन परिस्थितियों में गरीब आदमी ही सबसे दुखी रहता है।

13.4.5 सांस्कृतिक प्रभाव

यदि पर्यटकों की आवश्यकताओं के अनुरूप पारम्परिक कला एवं कौशल तथा प्रथाओं और उत्सवों को संशोधित किया गया तो अत्यधिक व्यापारीकरण और इन पारम्परिक कलाओं आदि का ह्रास हो सकता है। उदाहरणार्थ महत्वपूर्ण पारम्परिक नृत्य और कलाकृति प्रदर्शन जिनमें से कुछ धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण थे पर्यटकों की पसंद और उनके कार्यक्रम के अनुसार बहुत छोटे कर दिए गए। इसी प्रकार उच्च कोटि की पारम्परिक दस्तकारी को पर्यटकों को निशानी के तौर पर भेंट करने के लिए बड़े पैमाने पर उत्पादित किया गया। ऐसी परिस्थिति प्राय: सांस्कृतिक दलालों या पर्यटन संचालकों अथवा हस्तशिल्प संस्थापकों, जिन्हें सांस्कृतिक शुद्धता या प्रामाणिकता की कोई चिन्ता नहीं होती, की असंवेदनशीलता के कारण हो सकती है। कई मामलों में समृद्ध पर्यटक के सांस्कृतिक प्रारूप द्वारा हड़प लिए जाने के कारण सांस्कृतिक चरित्र, आत्म सम्मान और सम्पूर्ण सामाजिक पहचान का ह्रास हो सकता है। सांस्कृतिक प्रतीकों और पुरातात्विक वस्तुओं का विनाश अक्सर पर्यटकों के द्वारा अनियंत्रित उपयोगों और दुरूपयोगों के कारण होता है।

13.5 पर्यावरण पर प्रभाव

पर्यटन से लाभ प्राप्त करने वाले जब संरक्षण में निवेश किये बिना प्रकृति को शोषित करने का प्रयास करते हैं तो पर्यटन के कारण विभिन्न प्रकार के नकारात्मक और अवांछनीय पर्यावरणीय परिणाम पैदा होते हैं। इनमें सारे नकारात्क प्रभाव एक ही क्षेत्र में पैदा नहीं होंगे क्योंकि प्रभाव की किस्म विकसित पर्यटन क्षेत्र के विशेष अभिलक्षणों पर निर्भर करती है। पर्यावरण की वहन क्षमता पर्यटन विकास के पैमाने की अपेक्षा पर्यावरण के प्रभाव के विस्तार को बहुत अधिक प्रभावित करती है।

13.5.1 जल प्रदूषण

यदि होटलों, सैरगाहों और अन्य पर्यटक सुविधाओं के लिए उचित मल जल निपटारे की व्यवस्था नहीं की गई

तो मल जल से भूमि जल का प्रदूषण हो सकता है, या यदि मल जल की निकासी निकटवर्ती नदी, झील या तटीय समुद्री जल में कर दी गई तो प्रवाहित गंदगी उस जल क्षेत्र को दूषित कर देगी। यह हालत समुद्री तट की सैरगाहों में सामान्य है जहां होटलों ने निकटवर्ती जल क्षेत्र में जिसे पर्यटक तैराकी या निवासी मछली के शिकार के लिए उपयोग कर सकते हैं दूषित जल की निकासी कर दी है। मनोरंजनात्मक और पर्यटक परिवहन, मोटर नौकाएं, नदियों, झीलों और समुद्री जल में तेल और गैस छलकाकार और जल में गंदा पानी निकाल कर प्रदूषण का कारण बनते हैं। घिरे हुए बन्दरगाह में और ऐसे क्षेत्रों में जहां प्राकृतिक जल बहुत ठहरा हुआ या धीमा है यह समस्या बहुत विकट है।

13.5.2 वायु प्रदूषण

पर्यटन को आम तौर से धुआं रहित उद्योग समझा जाता है किंतु यह भी निश्चित क्षेत्र में पर्यटकों की गाड़ियों द्वारा वायु प्रदूषण का कारण बन सकता है, विशेष रूप से उन प्रमुख आकर्षण स्थलों पर जो केवल सड़क मार्ग पर स्थित है। यह गाड़ियों से निकलते धुंए के कारण है। यदि पर्यटन विकास की योजना ठीक से बनाकर विकसित न की गई हो, भूदृश्य का ध्यान न रखा गया हो और अन्तरिक निर्माण की अवस्था पर विचार न किया गया हो तो खुले उजाड़ क्षेत्रों में धूल और मिट्टी के रूप में भी प्रदूषण पैदा हो सकता है।

13.5.3 ध्वनि प्रदूषण

पर्यटक गाड़ियों से होने वाला शोर और कुछ अन्य पर्यटक आकर्षण जैसे मनोरंजन या कार/मोटर साइकिल दौड़ मार्ग का शोर निकटवर्ती लोगों और पर्यटकों के लिए कष्टकर और उत्तेजना के स्तर तक पहुंच सकता है। ऐसी ऊंची ध्वनि कभी-कभी वनों के क्षतिग्रस्त होने ओर मनोवैज्ञानिक तनाव का कारण भी बन सकती है।

13.5.4 दृश्य प्रदूषण

यह बहुत से कारणों से हो सकता है। यह ऐसे अस्वस्थ अभिकल्पिक होटलों और अन्य भवन सुविधाओं के कारण होता है जो स्थानीय स्थापत्य शैली के अनुरूप या प्राकृतिक पर्यावरण में अच्छी तरह संघटित न हो। भवनों की खराब देख रेख, भूदृश्य का खराब निमार्ण और विकासीय उपयोग के बड़े और भद्दे सूचनापट्ट द्वारा मनोरम दृश्यों के अवलोकन में बाधा अन्य कारण हो सकते हैं। भू दृश्यों में कूड़ा कचरा डालना भी दृश्य प्रदूषण का कारण बनता है।

13.5.5 अपशिष्ट निपटारन की समस्या

पर्यटन की सबसे सामान्य समस्या भूदृश्य पर मलबे और कूड़े कचरे का डाला जाना है। लोगों की अधिक संख्या द्वारा इस क्षेत्र का उपयोग पिकनिक के लिए किए जाने के लिए कारण ऐसा होता है। होटल, रेस्तरां और सैरगाहों से उत्पन्न ठोस अपशिष्ट के अनुचित निपटारन से गंदगी और स्वास्थ्य समस्याओं के अतिरिक्त रोग और प्रदूषण पैदा होते हैं।

13.6 निजी अर्थव्यवस्था पर प्रदर्शन प्रभाव

जब विकासशील देशों के लोग उत्कृष्ट सामान और अधिक मनमाने विक्रय प्रारूप के सम्पर्क में आते हैं तो वे प्रतियोगिता में पड़ जाते हैं। यह तनाव, अशान्ति और बढ़े हुए व्यय की ओर ले जाता है। इसे प्रदर्शन प्रभाव कहते है। अमरीकी व्यय प्रारूप की बड़े पैमाने पर फैली हुई नकल बचत और निवेश के स्थान पर प्रत्यक्ष रूप से बढ़े हुए या स्पष्ट व्यय की ओर भी ले जाती है। तीसरी दुनिया के अन्य देशों समान भारत में प्रारूप निर्धारित है और सुख साधन वाले होटलों द्वारा निश्चित किया जाता है जो अधिक व्यय के क्षेत्र हैं। सीमित पूंजी का दुरुपयोग उत्कृष्ट या आयातित सामानों को क्रय करने में किया जाता है।

13.7 लागत मुनाफा विश्लेषण

पर्यटन के गुणक प्रभाव का लागत मुनाफा विश्लेषण सामान्यत: वृहत राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर संचालित

किया जा सकता है। लागत मुनाफा विश्लेषण वह तकनीक है जिसे विदेशी मुद्रा, रोजगार, आय ओर विकास पर हुए व्यय से संबंधित राजस्व की भाषा में आर्थिक क्षेत्र द्वारा दिए गए लाभ की सीमा ज्ञात करने के लिए उपयोग किया जाता है। सापेक्ष लागतों और लाभों एवं विभिन्न क्षेत्रों में निवेश संसाधनों के अत्यंत उत्पादी फायदों में तुलना आवश्य है। परिणाम निर्धारित योग्यता कम होने पर भी पर्यटन के आर्थिक लाभों में अन्य आर्थिक क्षेत्रों पर उत्प्रेरक प्रभाव और समग्र प्रेरणा जो पर्यटन आर्थिक एवं मानयवी संसाधन विकास के लिए प्रस्तुत करता है सम्मिलित होना चाहिए। उस व्यय में जिसकी गणना की जानी है पर्यटन के लिए आवश्यक मूलभूत अधिसंरचनात्मक सुविधाएं, परिवहन तंत्र एवं उपकरण, हर प्रकार के आवास, रेस्तरां, सांस्कृतिक संस्थाओं (संग्रहालयों) को विकसित करने और उनके रख रखाव में एक संतुलित साझेदारी, प्रदर्शनी और सम्मेलन केंद्र, आकर्षणों का विकास, पर्यटकों के अनुकूल फुटकर उद्यम और अन्य प्रकार की पर्यटकों के लिए सुविधाएं सम्मिलित होनी चाहिए। सार्वजनिक सेवाओं पर पर्यटन द्वारा लगाए गए अतिरिक्त व्यय जैसे स्वास्थ्य सुविधाएं और सेवाएं और किसी प्रवाही रोजगार पर हुए सार्वजनिक सेवा व्यय पर ही ध्यान देना चाहिए।

जैसा कि पहले बताया जा चुका है किसी क्षेत्र के पर्यटन के व्यय और लाभ का कुल मिलाकर मूल्यांकन करने के लिए आर्थिक व्यय और लाभों को सामाजिक-सांस्कृतिक और पर्यावरणीय व्यय और लाभ के साथ जोड़ देना चाहिए। ऐसा भी हो सकता है कि जो पर्यटन सर्वाधिक लाभ देता है वही गंभीर पर्यावरणीय या सामाजिक व्यय के रूप में सामने आता है और इसीलिए उसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। दूसरी ओर पर्यटन योजना (और उसका गुणक प्रभाव) जो आर्थिक पर्यावरणीय और सामाजिक-सांस्कृतिक कारकों को संतुलित करती है वह नकारात्मक प्रभाव को कम करने में पूर्णतया सक्षम है।

बोध प्रश्न 3

1) प्रदर्शन प्रभाव से आप क्या समझते हैं?

.....

.....

.....

.....

2) पर्यावरण और पर्यटन के मध्य संबंधों को स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

.....

.....

13.8 सारांश

पर्यटन उद्योग केवल आर्थिक लाभों से ही सम्बद्ध नहीं है। यह मेजबान देश या क्षेत्र के सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष को भी प्रभावित करता है और हमेशा फायदा पहुंचाने वाला ही नहीं होता है। जैसा कि हम विश्लेषण कर चुके है कि पर्यटन का सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव एक जटिल मामला है और उसमें सकारात्मक और नकारात्मक तत्व दोनों सम्मिलित हैं। जहां पर्यटन विकास की गति तीव्र रही हो और विकास अनियोजित एवं अनियंत्रित रहा हो विशेष रूप से वहां हानिकारक सामाजिक-सांस्कृतिक तथा पर्यावरणीय प्रभाव पड़ता है। अत: संरक्षण के लिए पर्याप्त निवेश सहित बेहतर योजना को मात्र आर्थिक लाभ पर वरीयता देनी चाहिए।

13.9 बोध प्रश्नों के उत्तर

बोध प्रश्न 1

1) आपके उत्तर में वह साधन भी वर्णित होने चाहिएं जिनसे पर्यटकों के द्वारा किए गए खर्चे अर्थव्यवस्था

में से होकर निकलते हैं और ऐसा करने में अन्य क्षेत्रों को भी प्रेरित कर देते हैं। देखिए उपभाग 13.2.1

2) पर्यटन सेवा पर आधारित उद्योग है। उसे अपने आप को बनाए रखने के लिए बड़े पैमाने पर मानव शक्ति की आवश्यकता होती है। यह मानव शक्ति पर्यटन संचालकों, बैरों, मोटर चालकों आदि के रूप में पर्यटन उद्योग का कार्य करती है जिनके कारण रोजगार उत्पन्न होता है। देखिए उपभाग 13.2.3।

बोध प्रश्न 2

1) आपके उत्तर में आर्थिक लाभों सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और सांस्कृतिक गौरव के नवीकरण का उल्लेख होना चाहिए। देखिए भाग 13.3

2) प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ में रोजगार की व्यवस्था, आय और (अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन के लिए) विदेशी मुद्रा विनिमय जिन्होंने स्थानीय समुदायों और समस्त राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय आर्थिक विकास का सुधारे हुए जीवन स्तर की ओर मार्ग दर्शन किया उन्हें भी सम्मिलित होना चाहिए।

बोध प्रश्न 3

1) जब विकासशील देशों में लोग उत्कृष्ट सामानों और अधिक फिजुलखर्ची के प्रारूप के सम्पर्क में आते हैं तो वे होड़ में पड़ने के लिए प्रेरित हो जाते हैं। यह प्रदर्शन प्रभाव है। देखिए उपभाग 13.6.1

2) देखिए भाग 13.5

कुछ उपयोगी पुस्तकें

आर. कारसन : **'द सी अराउंड अस'**, न्यूयार्क, 1951

आर. कारसन : **साइलेंट स्प्रिंग,** न्यूयार्क, 1962

आर. मैश : **द राइट्स ऑफ नेचर,** मैडिसन, 1989

माधव गाडगिल एवं : **दिस फिशर्ड लैंड, ऐन इकोलॉजिकल हिस्ट्र ऑफ इडिया**, दिल्ली, 1992

राम चंद्र गुहा

विद्यानिवास मिश्र (सम्पादन) : **क्रीएटिवटी एंड एन्वायरमेंट**, साहित्य अकादमी नई दिल्ली, 1992

वर्नेस वलफेंस (सम्पादन) : **ऐसपेक्ट्स ऑफ इकोलॉजिकल प्रॉब्लम्स एंड एन्वायरमेंटल अवेयरनेस इन साउथ एशिया**, नई दिल्ली, 1993

इस खंड के लिए अभ्यास

अभ्यास 1

समुदाय की रचना के विषय में आपका जो ज्ञान है उसके अधार पर अपने क्षेत्र के कुछ स्थानीय समुदायों की पहचान कीजिए।

अभ्यास 2

इन समुदायों के सामाजिक जीवन और सांस्कृतिक कार्यों पर ध्यान दीजिए और उनके प्रमुख उत्सवों और आर्थिक क्रियाओं पर टिप्पणी लिखिए।

अभ्यास 3

कुछ पर्यटन योजना बनाने वाले आपके शहर में आए हुए हैं। वे योजना बनाने में आपका सहयोग चाहते हैं। वह आपसे यह जानना चाहेंगे कि किस विशिष्ट प्रकार का पर्यटन आपके क्षेत्र के अनुकूल होगा। अपने विचार और सलाह देते हुए उनके लिए एक प्रारूप तैयार कीजिए।

अभ्यास 4

आप अपने नगर में भौतिक अधिसंरचनात्मक सुविधा के उपयुक्त विकास के लिए योजना बनाइए ताकि उसे टिकाऊ पर्यटन के लिए व्यवहार्यतापूर्ण बनाया जा सके।

अभ्यास 5

आपका एक यूरोपीय मित्र आपके नगर में पर्यटक के रूप में आना चाहता है। उसने आपको निम्न जानकारी और सलाह के लिए लिखा है:

- वर्ष का कौन सा समय उनके लिए आपके नगर की यात्रा करने के लिए सबसे उपयुक्त होगा?
- अपने घर लंदन से वह किस प्रकार आपके नगर तक पहुंच सकता है? खर्च, आराम और समय को ध्यान में रखते हुए परिवहन के विभिन्न साधनों के विषय में बताइए।
- वह कौन-कौन सी वस्तुएं अपने साथ लाएं?
- आपका मित्र पारिस्थितिक पर्यटन में रुचि रखता है किंतु उसके विषय में कुछ अधिक जानकारी नहीं है। इस बात पर ध्यान देते हुए आप किस प्रकार मार्ग वितरण और कार्यक्रम तैयार करना चाहेंगे?

अपने मित्र को उसकी मांगी हुई जानकारी देते हुए और उसे अपने शहर में आमंत्रित करते हुए एक पत्र लिखिए।

अभ्यास 6

आपका एक मित्र आपके नगर में आया है। वह अपने साथ रु. 10,000 लाया है, जिसे वह विभिन्न गतिविधियों जैसे आवास, आहार, यात्रा, और क्रय विक्रय में खर्च करना चाहता है। उसके खर्च का एक अनुमानित लेखा जोखा तैयार कीजिए जिसमें उसके द्वारा आपके नगर में विक्रय और उत्पादन गुणक प्रभाव का अपने नगर की अर्थव्यस्था पर प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।